

24.11.2025:—पत्रावली आज प्रार्थी अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर पेशी मे ली गई। प्रार्थी वकील का मूल वादपत्र अदम पैरवी / अदम हाजरी हो चुका है। मूल वाद पत्र अदम पैरवी / अदम हाजरी होने के कारण प्रार्थना-पत्र मे कोई कार्यवाही शेष नही रह जाती। इसलिए अस्थाई निशेषाज्ञा को वर्तमान स्तर पर निरस्त खारिज किया जाकर उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. मे वर्तमान स्तर पर खारिज कि जाती है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफ्तर हो।

*[Handwritten Signature]*

सहायक कलक्टर  
एव उपखण्डाधिकारी  
हनुमानगढ़